① गणित XII

2020

Neelam Jain (Principal)
Govt. H.S. Aanu
Mo. No. 99832.....

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
हिन्दी विशिष्ट	0 0 1	हिन्दी

...तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

(परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे)

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक: 320 - 1579265

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में: 2 0 4 1 3 5 4 8 5 -

शब्दों में: दो शून्य चार एक तीन पाँच चार आठ पाँच -

BOARD OF SECONDARY...
माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र. भोपाल...

(केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे)

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में [02] शब्दों में [दो]

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक [11]

ग :– परीक्षा का दिनांक [02 | 03 | 2020]

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्डरी परीक्षा केन्द्र क्र. 412017

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
ज्योति जैन	(D.K. JAIN)

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

(परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे)

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो ग्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
Neelam Jain (Principal) Govt. H.S. Aanu Mo. No. 99832...75	B.D. RAI 9250241 H.S.S. BILANI

नोट :– "हायर सेकेण्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिभार एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।"

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रश्न क्रमांक के ... करें।

प्रश्न क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	
27	
28	

कुल प्राप्तांक ... कुल प्राप्तांक अंकों में

Laser/Inkjet/Copier Label A4ST-16 99.1x33.9mmx16

A4ST-16 99.1x33.9mmx16

मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी
शास.उत्कृष्ट उ.मा.वि.
जिला-...

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MA

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 01 का उत्तर

(i) महादेवी वर्मा

(ii) कबीरदास

(iii) सुजान

(iv) पाड़ोन के जंगल में सावन गीत

(v) पाड़ोन के जंगल में

प्रश्न क्रमांक - 02 का उत्तर

(i) छायावाद

(ii) श्रीकृष्ण

जल शोधन में

तीन

गणेश शंकर विद्यार्थी

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 03 का उत्तर

(i) असत्य

(ii) सत्य

(iii) असत्य

(iv) असत्य

(v) सत्य

प्रश्न क्रमांक - 04 का उत्तर

(i)	सभी विपत्तियों को हरते हैं	गणेश जी
(ii)	व्यंग्य की प्रधानता	नई कविता
(iii)	मध्यम वर्गीय परिवार की समस्या	नये मेहमान
(iv)	कंस की बहन	देवकी
(v)	गाय करुणा की कहानी है	महात्मा गांधी

निरन्तर --

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक -05 का उत्तर

(अ) मथुरा से योग सिखाने श्रीकृष्ण के मित्र उद्धव जी ब्रज क्षेत्र में आये थे।

(ब) भय साध्य व असाध्य, इन दो रूपो में हमारे सामने आता है।

(स) अन्योक्ति अलंकार

(द) प्रयोगवाद का आरंभ सन् 1943 में अज्ञेय जी के प्रथम तार सप्तक के संपादन के साथ हुआ।

वसंत खुशी, हर्ष, उल्लास तथा प्रसन्नता का भाव लेकर आता है।

BSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 06 का उत्तर (अथवा)

कृष्ण ने दही का दोना माँ यशोदा से की नजर से बचाने के लिए पीठ के पीछे छुपा लिया था।

प्रश्न क्रमांक - 07 का उत्तर

घातक अपनी बोली से विरही हृदय को चोट पहुँचा रहा था, इसलिए कवि घनानन्द ने घातक को घातक कहा है।

प्रश्न क्रमांक - 08 का उत्तर (अथवा)

उत्तर :- 'क्षणिक आतंक' से तात्पर्य कुछ देर या थोड़े समय के लिए आये हुए भय से है। यह क्षणिक आतंक वीर युवाओं को भयभीत नहीं कर सकता है।

निरन्तर ...

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक -09 का उत्तर

उत्तर केवट के अनुसार पगधुरि का प्रभाव बहुत विशाल है. श्रीराम के चरणो की धूल से पत्थर की शिला भी स्त्री में बदल गई। यही पगधुरि का प्रभाव है।

B S

प्रश्न क्रमांक -10 का उत्तर (अथवा)

उत्तर सॉझ सकारे अर्थात् सुबह और शाम भारतमाता की आरती सूर्य और चन्द्रमा करते है।

प्रश्न क्रमांक -11 का उत्तर

अर्थहानि या नुकसान होने के भय के कारण व्यापारी व्यवसाय मे हाथ नही डालते है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक -12 का उत्तर

उत्तर - रेवती का घर बहुत छोटा, घुटन वाला, किसी जेलखाने की कोठरी जैसा था, इसलिए रेवती अपने घर को जेलखाना कहती है। उनका घर छोटा तथा घुटनवाला होने के साथ ही सभी सुख-सुविधाओं रहित भी था। इसलिए वे अपने घर को जेलखाना कहती है।

प्रश्न क्रमांक -13 का उत्तर

उत्तर - एक वर्ष से दौड़ते-दौड़ते तथा भागने-फिरने की वजह से तात्या थक गये थे, तथा उनका स्वास्थ्य भी बिगड़ गया था, इसलिए तात्या अपने विश्वसनीय मित्र मानसिंह के संरक्षण में गये।

निरन्तर - - -

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 14 का उत्तर

उत्तर = उत्तराखंड के चारो धाम निम्न नदियो के किनारे स्थित है -

	धाम का नाम	नदी
(i)	यमुनोत्तरी	यमुना नदी
(ii)	गंगोत्तरी	गंगा नदी
(iii)	केदारनाथ	मन्दाकिनी नदी
(iv)	बद्रीनाथ	अलकनन्दा नदी

BSE

प्रश्न क्रमांक - 15 का उत्तर

(i) सरोवर में पानी कम है।

(ii) कश्मीर का सौन्दर्य मनमोहक है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक -16 का उत्तर

रौद्र रस -

सहृदय के हृदय में स्थित क्रोध नामक स्थायी भाव का पर संचारी भाव, अनुभाव, विभाव से संयोग होता है, तो वहाँ रौद्र रस की उत्पत्ति होती है।

उदाहरण -

"श्रीकृष्ण के सुन वचन, अर्जुन क्रोध से जलने लगे।
सब शोक अपना भूलकर, करतल युगल मलने लगे"।।

निरन्तर

BSE

कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक -17 का उत्तर (अथवा)

राम कुमार वर्मा की माँ सुशिक्षित और
सुसंस्कृत महिला थी, तथा वे अपने
बच्चों में भी उच्च शिक्षा के संस्कार
डालना चाहती थी। उन्होंने रामकुमार वर्मा
को पढ़ाई के संबंध मे बताते हुए, कहा -
कि बेटा पढ़ाई मे हमेशा पहले दर्जे
का ध्यान रखना, पढ़ाई ही हमारे
जीवन का महत्वपूर्ण लक्ष्य है।
तुम भी अपने लक्ष्य पर यानि
पढ़ाई पर उसी तरह ध्यान देना, जिस
तरह अर्जुन को वृक्ष पर बैठी चिड़िया
की सिर्फ आँख दिख रही थी, अर्थात
अर्जुन को सिर्फ उसका लक्ष्य दिख रहा था।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 18 का उत्तर (अथवा)

राष्ट्रभाषा -

राष्ट्रभाषा वह भाषा होती है, जिसका व्यवहार सम्पूर्ण राष्ट्र में होता है। जो भाषा राष्ट्र के सर्वाधिक नागरिकों के द्वारा बोली जाती है, वही भाषा राष्ट्रभाषा बन सकती है। भारत की राष्ट्रभाषा हिन्दी है, क्योंकि यह देश के अधिकांश नागरिकों द्वारा बोली जाती है। किसी राष्ट्र की राष्ट्रभाषा उस देश की संस्कृति व आदर्शों को व्यक्त करती है, तथा देशवासियों की आकांक्षाओं को भी अभिव्यक्त करती है। राष्ट्रभाषा अन्य भाषा-भाषी राज्यों के बीच सेतु का कार्य करती है।

राष्ट्रभाषा की विशेषताएँ -

(i) राष्ट्रभाषा का व्यवहार सम्पूर्ण राष्ट्र में होता है।
(ii) राष्ट्रभाषा का क्षेत्र व्यापक होता है।
(iii) राष्ट्रभाषा देश की संस्कृति व आदर्शों को व्यक्त करती है।
(iv) अन्य भाषा-भाषी राज्यों के बीच सेतु का कार्य करती है।
(v) राष्ट्रभाषा को संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त होती है।
(vi) राष्ट्रभाषा अन्य विभाषाओं तथा बोलियों के विकास में सहायक होती है।

निरन्तर - - - -

STATE EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL, BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 19 का उत्तर

श्लेष अलंकार - श्लेष का अर्थ है - "चिपका हुआ"। अर्थात् जहाँ काव्य में एक ही शब्द के दो या दो से अधिक अर्थ निकलते हों, वहाँ श्लेष अलंकार होता है।

उदाहरण -

"चिरंजीवी जोरि जुरै, क्यो न सनेह गंभीर
को घटि ये वृषभानुजा, ये हलधर के बीर॥"

यहाँ वृषभानुजा शब्द के दो अर्थ निकलते हैं जैसे -

वृषभानु + जा = वृषभानु जी की पुत्री राधा

षभ + अनुजा = अर्थात् बैल की बहन

ी प्रकार

लधर के वीर - अर्थात् हल को धारण करने वाले बैल का भाई

लधर के वीर - अर्थात् बलदाऊ के भाई श्रीकृष्ण।

प्रश्न क्रमांक - २० का उत्तर

प्रगतिवाद की विशेषताएँ -

प्रगतिवाद की विशेषताएँ निम्न है-

(i) **शोषकों के प्रति विद्रोह व शोषितों से सहानुभूति -** प्रगतिवादी कवियों ने अपनी रचनाओ मे शोषक वर्ग के प्रति विद्रोह दर्शाया है, तथा शोषितों से सहानुभूति व्यक्त की है।

(ii) **आर्थिक व सामाजिक समानता पर बल -** प्रगतिवादी कवियो ने उच्च व निम्न वर्ग के अंतर को समाप्त करने की भावना पर बल देते हुए समानता की भावना पर जोर दिया है।

(iii) **ईश्वर के प्रति अनास्था -** प्रगतिवाद के कवियों ने ईश्वरीय शक्ति की अपेक्षा मानवीय शक्ति पर बल दिया है।

(iv) **नारी के प्रति सम्मान की भावना -** प्रगतिवादी कवियो नें नारी शोषण के विरुद्ध मुक्ति का स्वर उठाया तथा नारी को सम्मानजनक स्थान दिया।

निरन्तर - -

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

~~प्रगतिवाद के प्रमुख कवि -~~ X

(क)

कवि	रचना
(i) ~~सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय जी~~	~~हरी घास पर क्षण भर, इत्यलम, बावरा अहेरी~~
(ii) ~~मुक्तिबोध~~	~~चाँद का मुँह टेढ़ा, भूरी-भूरी खाक धूल।~~

B
S
E

↓

प्रगतिवाद के प्रमुख कवि -

कवि	रचना
नागार्जुन	युगधारा, सतरंगे पंखो वाली
शिवमंगल सिंह सुमन	हिल्लोल, जीवन के गान, विश्वास बढ़ता ही गया।
केदारनाथ अग्रवाल	फूल नही रंग बोलते है, नींद के बादल, युग की गंगा

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक -21 का उत्तर (अथवा)

नाटक व एकांकी में निम्न अंतर है -

नाटक	एकांकी
(i) नाटक में कई अंक होते हैं।	(i) एकांकी मे एक अंक होता है।
(ii) नाटक में पात्रो की संख्या अधिक होती है।	(ii) एकांकी में पात्रो की संख्या नाटक की अपेक्षा कम होती है।
(iii) नाटक के मंचन मे अधिक समय लगता है।	(iii) एकांकी के मंचन मे नाटक की अपेक्षा कम समय लगता है।
(iv) नाटक का रूप विस्तृत होता है।	(iv) एकांकी का रूप लघु होता है।
(v) नाटक मे मुख्य कथा के साथ गौण अन्तर्कथाएँ भी होती है।	(v) एकांकी में एक ही कथा होती है।
(vi) नाटक के कई उद्देश्य हो सकते हैं।	(vi) एकांकी का एक ही उद्देश्य होता है।

निरन्तर - - -

प्रश्न क्र.

तुलसीदास जी

(i) रचनाएँ –

(i) रामचरित मानस
(ii) विनय पत्रिका
(iii) कवितावली

(ii) भावपक्ष –

तुलसीदास जी सगुण भक्तिधारा के रामभक्तिशाखा के प्रमुख कवि थे। ये राम के भक्त थे। तुलसीदास जी का दृष्टिकोण समन्वयवादी था, यह इस बात से स्पष्ट होता है, कि वे राम के भक्त होते हुए भी अन्य देवी देवताओ की भी वन्दना की। तुलसीदास जी भक्ति को ही भगवान तक पहुंचने का मार्ग बताते है। उनकी रचनाओ मे राम की भक्ति के साथ - साथ अन्य देवी देवताओ के प्रति श्रद्धा का भाव भी मिलता है। उन्होने सर्वश्रेष्ठ महाकाव्य 'रामचरितमानस' की रचना की।

(iii) कलापक्ष –

(i) भाषा –

तुलसीदास जी ने उनके समय मे प्रचलित दोनो भाषाओ ब्रज तथा अवधी

EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

का प्रयोग अपनी रचनाओं में किया है। किन्तु उनकी मुख्य भाषा अवधी थी।

(ii) छन्द योजना -

तुलसीदास जी ने अपनी रचनाओं में मुख्यतः दोहा, चौपाई, सवैया छंदों का प्रयोग किया है।

(iii) अलंकार -

तुलसीदास जी ने उस समय प्रचलित सभी अलंकारों का अपनी रचनाओं में प्रयोग किया है - जैसे उत्प्रेक्षा, रूपक, उपमा, यमक, श्लेष अलंकार आदि।

(iv) रस -

तुलसीदास जी ने मुख्यतः शृंगार, करुण व शान्त रस से पूर्ण कविताएँ लिखी है। उनकी रचनाएँ माधुर्य व प्रसाद गुण युक्त थी।

साहित्य में स्थान -

सगुण भक्तिधारा की रामभक्ति शाखा के कवियों में ~~तुलसीदास~~ विशिष्ट स्थान है। तुलसीदास जी का प्रमुख स्थान है। तथा हिन्दी साहित्य जगत में तुलसीदास जी का स्थान अद्वितीय है।

BSE
User/Inkjet/Copier Label A4ST-16 99.1x33.9mmx16

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 23 का उत्तर

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

रचनाएँ -
(i) चिन्तामणि
(ii) रस मीमांसा
(iii) त्रिवेणी

BSE

भाषा -
शुक्ल जी की भाषा प्रौढ़, गंभीर व परिष्कृत थी। उनकी भाषा में सौष्ठव है। उनकी भाषा में गंभीर भावों की अभिव्यक्ति की अपूर्व क्षमता है। शुक्ल जी भाषा में व्यर्थ का शब्दाडम्बर नही मिलता है। शुक्ल जी भाषा में संस्कृत शब्दों की बहुलता है। शुक्ल जी की भाषा सुव्यवस्थित तथा पूर्ण व्याकरणसम्मत भाषा है। भाषा में लाक्षणिकता लाने के लिए मुहावरों व लोकोक्तियों का प्रयोग भी किया है। अतः शुक्ल जी की भाषा गंभीर प्रौढ़, परिष्कृत व साहित्यिक खड़ी बोली है।

EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH
प्रश्न क्र.

शैली -

शुक्ल जी ने अपनी रचनाओं में निम्न शैलियों का उपयोग किया है -

(i) समीक्षात्मक शैली
(ii) गवेषणात्मक शैली
(iii) भावात्मक शैली
(iv) व्यंग्यात्मक शैली

शुक्ल जी की शैली में व्यंग्यात्मक शैली का स्थान अति अल्प है व्यंग्य उनका विषय नही था, फिर भी कुछ रचनाओं में कही - कही व्यंग्यात्मक शैली देखने को मिल जाती है। शुक्ल जी गंभीर व्यक्तित्व के लेखक थे।

साहित्य में स्थान -

शुक्ल जी के रचनाशीलता और क्रियाशीलता से सजे व्यक्तित्व का हिन्दी साहित्य जगत में अद्वितीय स्थान है।

BSE
desmat

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

मारी कहै कुम्हार से, क्या तू रौंदे मोहि ।

X X X X X X X

टपका लागा फुटि गया, कछु न आया हाथ ।

सन्दर्भ - प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक स्वाति के नीति काव्य के शीर्षक 'अमृतवाणी' से लिया गया है । इसके कवि 'कबीरदास' जी है ।

प्रसंग - यहाँ कवि ने नश्वर जीवन के बारे मे बताया है -

व्याख्या - कबीरदास जी कहते है कि - मिट्टी कुम्हार से कहती है कि हे - कुम्हार तु क्या मुझे अपने पैरो के नीचे रौंदेगा । एक दिन ऐसा आयेगा, जब मैं तुझे अपने पैरो के नीचे रौंदुगी । अर्थात् यह शरीर नश्वर है और मृत्यु के बाद मिट्टी मे ही मिल जाएगा, कहा जाता है कि - मिट्टी का शरीर मिट्टी मे मिल गया । यह शरीर मिट्टी के घड़े के समान है,

प्रश्न क्र.

है, जिसे हम हमेशा साथ रखते हैं, लेकिन जब इस पर पानी गिरेगा तो यह नष्ट हो जायेगा इसका अस्तित्व समाप्त हो जाएगा. और हाथ में कुछ भी न आयेगा। अर्थात् खाली हाथ संसार मे आये थे तथा खाली हाथ ही जाएँगे।

काव्य सौन्दर्य -

(i) मिट्टी- कुम्हार के माध्यम से नश्वर जीवन के बारे मे बताया है।

(ii) छन्द - दोहा

(iii) रस - शान्त रस

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 25 का उत्तर (अथवा)

" यह संसार क्षणभंगुर है।
× × × × × × ×
इससे तू किस लिए व्यर्थ व्यथा सह रही है?

सन्दर्भ -
प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक स्वाति के 'खेल' कहानी से उद्धृत है। इसके लेखक "जैनेन्द्र कुमार" है।

B S E

प्रसंग -
गद्यांश में लेखक ने संसार को मोह, माया बताया है, कि यह संसार क्षणभंगुर है।

व्याख्या -
लेखक कहते हैं कि यह संसार क्षणभंगुर है, अर्थात् क्षण मे नष्ट होने वाला है। इसमें सुख और दुख तो आते जाते रहते है। संसार मे जो आया है, उसे एक दिन जाना ही है, इसके लिए शोक क्यो करना। यहाँ लेखक बुलबुले का उदाहरण देते हुए कहते कि यह संसार जल के बुलबुले की भाँति है,

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

रत क्र.

जो जल मे बनता है, और क्षण मे ही फुटकर जल मे लीन हो जाता है। फुट जाने मे ही बुलबुले की सार्थकता है। अर्थात् जो संसार मे आया है, उसे जाना ही है, और जो लोग यह बात नही समझते वे दया के पात्र है। सुरबाला के व्दारा बनाया गया झाड़ मनोहर उदण्डता मे तोड़ देता है, तो वह गुस्सा हो जाती है, व शोक करने लगती है। तब लेखक कहते है कि लड़की तु समझ - यह संसार, ब्रह्माण्ड सब ब्रह्म का है, और एक ही परमात्मा मे ही लीन हो जाएगा। इसके लिए व्यर्थ मे कष्ट सह रही है।

विशेष -

(i) संसार की क्षणभंगुरता के बारे मे बताया है।

(ii) जिन्हे संसार की क्षणभंगुरता के बारे मे नही पता- उन्हे दया के पात्र बताया है।

(iii) उदाहरणो के माध्यम से अपनी बात को व्यक्त किया है।

B
S
E

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 26 का उत्तर

(अ) गद्यांश की शीर्षक = "कर्मठता का महत्व" या "काम का सही अर्थ"

(ब) सही काम तो वही है, जो कुछ ठोस परिणाम देता है।

B

(स) सारांश -

कर्मठता लक्ष्य की निश्चितता, उत्कृष्ट
भिलाषा एवं सतत प्रयत्न के समन्वित
स्वरूप का नाम है। कोरा काम साध्य नहीं है।
स देश मे कर्मठता का जितना प्रतिशत होता है,
देश तदनुकूल ही प्रगति अथवा अवनति करता है
र्मठता का महत्व बताया गया है।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

2020

4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा का दिनांक
हिन्दी विशिष्ट	0 0 1	हिन्दी	02 03 2020

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्डरी परीक्षा
केन्द्र क्र. 412017

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

ज्योति जैन

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

(D.K. JAIN)

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक ..... तक कुल प्राप्तांक

B S E

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न क्रमांक - 28 का उत्तर (1)

विज्ञान और मानव जीवन

रूपरेखा -

1. प्रस्तावना
2. विज्ञान के क्षेत्र
   (i) चिकित्सा के क्षेत्र मे
   (ii) मनोरंजन के क्षेत्र मे
   (iii) शिक्षा के क्षेत्र मे
   (iv) कम्प्युटर के क्षेत्र मे
   (v) उद्योग के क्षेत्र में
3. विज्ञान के लाभ
4. विज्ञान से हानियाँ
5. उपसंहार

1. प्रस्तावना -

वर्तमान में बढ़ते विकास के साथ विभिन्न क्षेत्रो में विज्ञान का महत्व भी बढ़ता जा रहा है। विभिन्न क्षेत्रो मे विज्ञान ने उन्नति करी है। विज्ञान की भावी पीढ़ी के लिए आवश्यकता बढ़तीरही है। वर्तमान मे विज्ञान के विकास से मानव को कई क्षेत्रो मे लाभ मिलता है। विज्ञान के विकास व बढ़ते उपयोग ने मनुष्य की कई गतिविधियो को आसान बना है, विभिन्न यंत्रो की सहायता से मनुष्य अपने समय मे भी बचत करता है

2. विभिन्न क्षेत्रो मे विज्ञान -

(i) चिकित्सा के क्षेत्र में -

चिकित्सा के क्षेत्र मे विज्ञान ने एक अभूतपूर्व क्रान्ति ला दी है कई चिकित्सा उपकरणो के विकास व दवाइयों की खोज से कैंसर, ट्यूमर जैसी खतरनाक बीमारियो का भी वर्तमान में इलाज संभव हो गया है। विज्ञान के विकास से चिकित्सा के क्षेत्र मे काफी लाभ मिला, व मनुष्य की आयु मे भी वृद्धि हुई।

मनोरंजन के क्षेत्र में -

विज्ञान ने मनोरंजन के क्षेत्र मे भी विकास किया है। टीवी, मोबाइल, रेडियो ऐसे कई उपकरण है, जो मनोरंजन के साधन है। इनकी सहायतासे व्यक्ति तनाव मे प्रसन्नता का अनुभव करता है।

शिक्षा के क्षेत्र मे -

शिक्षा के क्षेत्र मे भी विज्ञान एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। वर्तमान में विद्यार्थी कई साधनो जैसे कम्प्युटर, लैपटाप की सहायता है, पढाई कर सकते है। मोबाइल की सहायता से ऑनलाइन स्टडी कर सकता है। अतः शिक्षा के क्षेत्र मे भी विज्ञान का योगदान अति महत्वपूर्ण है।

कम्प्युटर के क्षेत्र में -

वर्तमान मे कम्प्युटर मानव जीवन की एक आवश्यकता बन गया है। दैनिक गतिविधियो मे कम्प्युटर का एक महत्वपूर्ण स्थान है। कम्प्युटर विज्ञान का एक महत्वपूर्ण आविष्कार है, इसकी सहायता से मनुष्य जटिल से जटिल गणनाएँ कुछ ही पल मे बिना त्रुटि के कर सकता है। तथा अन्य क्षेत्रो मे भी कम्प्युटर अत्यन्त लाभदायक है।

(v) उद्योग के क्षेत्र में -

वर्तमान में विज्ञान के बढ़ते विकास से उद्योगो के क्षेत्र मे भी वृध्दि हुई है विज्ञान के कई आविष्करो की मदद से उद्योग के क्षेत्र में विकास हुआ है।

2. विज्ञान के लाभ -

विभिन्न क्षेत्रो मे विज्ञान से कई लाभ होते है, अब ये हमारे ऊपर है कि हम विज्ञान का विज्ञान द्वारा प्रदत्त सुविधाओ का किस प्रकार उपयोग करते है। यदि हम विज्ञान का सदुपयोग करेंगे तो निश्चित ही हर क्षेत्र मे विकास करेंगे। वर्तमान समय मे विज्ञान के आविष्कारो की वजह से हर क्षेत्रो मे अभूतपूर्व विकास हो रहा है।

4. विज्ञान से हानियाँ -

हर चीज के दो पहलू होते उसी प्रकार विज्ञान से लाभ के साथ-साथ हानियाँ भी है। विज्ञान की मदद से परमाणु बम, हाइड्रोजन बम, विस्फोटक यंत्र बनाये गए है, जब भी इनका प्रयोग होगा मानव जाति को बहुत क्षति होगी। यह सभी के लिए हानिकारक होगा।

(2)

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

4 पृष्ठीय 2020

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा का दिनांक
हिन्दी विशिष्ट	0 0 1	हिन्दी	02 03 2020

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा
हायर सैकेण्डरी परीक्षा
केन्द्र क्र. 412017

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर
ज्योति जैन
02/03/2020

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

प्रथम उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक ..... तक कुल प्राप्तांक

यह हमारे ऊपर ही है, कि विज्ञान के आविष्कारो का किस क्षेत्र में किस प्रकार से उपयोग करते है। अतः हमारा कर्त्तव्य है कि हमें विज्ञान का उपयोग मानव जीवन के कल्याण के लिये ही करना चाहिए। किसी ने सच ही कहा है -

"Science is an angel in peace and Devil in war".

Pf. Hardy

अर्थात् यदि हम विज्ञान का उपयोग मानव जीवन के कल्याण के लिए करेंगे तो लाभदायक होगा व दुरूपयोग करेंगे तो यह हमारे लिए ही हानिकारक होगा।

निरन्तर - - -

अंकों का योग

5. उपसंहार –

अतः हमे अपने जीवन मे विज्ञान का सदुपयोग मानव जीवन के कल्या० के लिए ही करना चाहिए, यही हम सबके के लिए अच्छा रहेगा। विज्ञान के आविष्कारो से समय की बचत भी होती है, अतः इस समय का उपयोग भी हमे देश के विकास के लिए ही करना चाहिए। यदि हम विज्ञान का सदुपयोग करते है, तो यह हमारे लिए एक वरदान ही है।

प्रश्न क्रमांक - 28 का उत्तर (ब)

जल ही जीवन है

रूपरेखा –

1. प्रस्तावना
2. जल की आवश्यकता
3. जल के स्त्रोत
4. जल का महत्व
5. जल को जीवन क्यो कहते है।
6. उपसंहार

प्रश्न क्रमांक - 27 का उत्तर

अधिव,
माध्यमिक शिक्षा मण्डल,
भोपाल, मध्यप्रदेश।

विषय - अंग्रेजी विषय की उत्तर-पुस्तिका के पुनर्गणना हेतु आवेदन पत्र।

महोदय,

मैंने हायर सेकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा वर्ष 2019 में उत्कृष्ट विद्यालय मन्दसौर में अध्ययनरत रहते हुए पास की है। मुझे परीक्षा में 78% अंक प्राप्त हुए है। अंग्रेजी विषय में मेरे 70 अंक ही आए है, जबकि मेरी गणना के अनुसार 90-95 अंक आने चाहिए। मेरी अंग्रेजी विषय की परीक्षा बहुत ही अच्छी हुई थी। अतः महोदय से निवेदन है, कि मेरी अंग्रेजी विषय की उत्तरपुस्तिका की पुनर्गणना करवाने का कष्ट करे।
मुझसे संबंधित आवश्यक जानकारी निम्न है -

नाम -
पिता का नाम -
माता का नाम -
रोल नम्बर -

विद्यालय का नाम -
सेन्टर -
नियमित / स्वाध्यायी -
माध्यम -
संलग्न - बैंक ड्राफ्ट

धन्यवाद
दिनांक
02/03/2020

प्रार्थी
सयोमी राठौर

समाप्त